नारी शक्ति

महिला प्रभाग की समाचार पत्रिका

For Private Circulation Only

अंक – 58 जनवरी 2021

गुरुग्राम- ओ.ओर.सी - ब्रह्माकुमारीज़ के ओ.ओर.सी में आयोजित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार, त्रिनिदाद और टोबैको के उच्चायुक्त रोजर गोपेन, ओ.आर.सी की निदेशिका बी.के.आशा, एमिटी विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति पदमाकली एवं अन्य।

"आधुनिकता एवं आध्यात्मिकता वार्ता"

(गतांक से आगे....)

प्रश्न - मोबाईल हुआ और अन्य आधुनिक साधन वाली चीजें जो हमारी जिन्दगी का हिस्सा बन गये हैं, क्या आध्यात्मिक तौर पर उनको साथ में रख कर अच्छी जिन्दगी जी जा सकती है ?

उत्तर - अवश्य जिया जा सकता है। अध्यात्मिकता ये नहीं कहती हैं, कि सब कुछ छोड़ो। पर अध्यात्मिकता यह जरुर सिखाती है। सब कुछ करो पर उसमें फसों नहीं। आज हम मॉडर्निटी के नाम पर जो कुछ भी कर रहे है, उसमें फँस जाते है। जैसे अभी बताया मोबाइल की बात, टी.वी की बात, जो हम फास्ट फूड खाते है उसकी बात। तो उसमें हम ऐसे फँस जाते है, फिर हमें और कुछ पसंद नहीं आता है। पौष्टिक तो कुछ है नहीं लेकिन हम टेस्ट के कारण ही उसे खाते हैं। लेकिन अध्यात्मिकता हमें बताती है। कुछ भी बुरा नहीं है, परन्तु जो कुछ भी करें बैलेन्स हो। बैलेन्स का मतलब आन्तरिक व बाह्य दोनो का सही रुप से सन्तुलन हो केवल बाहय में जायेंगे तो भी बिगड़ जायेंगे और केवल आन्तरिक करें व बाहय को हम नजरअन्दाजकरेंगेतोभीइससंसारकेरहेंगेनहीं। संसार छोडना नहीं है। बल्कि संसार में जो कुछ परिवर्तन हैं, उस परिवर्तन को भी स्वीकार करना है। लेकिन कहीं भी फँसना नहीं है।, यह वास्तव में आध्यात्मिकता को आधुनिकता के साथ जोड़ने की बात आती है।

प्रश्न- जब कोई बच्चा माँ के साथ रहता है तो वह अच्छा रहता हैं। लेकिन जब वह बड़ा होकर बाहर जाता है उसको गलत संग मिलता है, तो क्या उसके संस्कार उसको बचाते हैं और कितना ?

उत्तर - अवश्य, बहुत आते है। जैसे इतिहास में भी हम देखते है। शिवाजी महाराज को कैसे उनकी माँ ने उनको सिखाया और उसके आधार पर उनमें शौर्य आया। तो बचपन में माँ जो सिखाती है। वो बच्चों को सारी उम्र भर कभी नहीं भूलता। इस लिए माँ के ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेवारी हैं कि बच्चे को क्या सिखाती है और जो सिखाती है उसका रिजन बताए। अगर सिर्फ कहेंगे ये मत करो वो मत करो। तो वह कहेंगे क्यों न करें। यदि क्यों न करे इसको समझ जाये तो वह नहीं करेंगे। बहुत सारे बच्चें हैं जो न ड्रिंक करते हैं। न ही स्मोक करते हैं

प्रयागराज - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए सुश्री सीमा रस्तोगी सामाजिक रहनुमा, सुश्री प्रभा भार्गव (प्रेसिडेंट गार्डन असोसिएशन पर्यावरणविद),डाक्टर रमा सिंह (प्राचार्य आर्य कन्या डिग्री कॉलेज ,केंद्र सरकार की महिला एवं बाल कल्याण समिति सदस्य), डाक्टर रेखा रानी पटेल (कैप्टेन NCC एवं संगीत शिक्षिका स.स खन्ना डिग्री कॉलेज),ब्रह्माकुमारी मनोरमा - प्रभारी प्रयागराज मंडल एवं अध्यक्षा धार्मिक प्रभाग ।

आनंद(गुजरात) – जागृति महिला समाज संस्था के 40वाँ वर्ष के कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. गीता(आनंद सेवाकेंद्र संचालिका), कुसुम बहन पटेल ((संस्था के स्थापक), भारती बहन पटेल(प्रमुख, जागृति महिला समाज संस्था), स्मिता बहन पंडया(मंत्री जागृति महिला समाज), वासन्ती बहन पटेल ।

बोपोडी - बोपोडी सेवाकेंद्र के अंतर्गत केसनंद सेंटर पर जागतिक महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मेहमानों का ईश्वरीय सौगात देकर सत्कार करती हुई ब्र.कु.सुनिता, कार्यक्रम में सुनिल भाई, गांव के सरपंच श्रीमती अलका ताई हरगडे, श्रीमती सुजाता ताई सावंत, श्रीमती रोहिणीताई जाधव, श्रीमती नीलम जाधव - वकील,डेन्टिस्ट कु.कंचन हनोटिया आदि उपस्थित रहे ।

और विदेशों में आप देखेगें ड्रिंक सब करते हैं। यहा तक कि मम्मी-पापा भी करते हैं। रात में सब एक साथ बैठ जाते हैं। लेकिन हमारे कल्चर में नहीं हैं। और यही वजह है कि बहुत सारे परिवारों के बच्चे बड़े होने के बाद भी स्मोक नहीं करते हैं। हां दोस्तों में कर सकते हैं। इसलिए बच्चों को थोड़ा समझा दीजिए कि इसमें क्या नुकसान हैं । जैसे कि जब माँ देखती है कि बाहर बादल छाये हुये हैं और बेटे को स्कूल जाना है तो माँ कहेगी कि बेटा आज बारिश हो रही है छाता लेकर जाना, तेरे पास छाता नहीं होगा तो तुम भीग जाओगे, ठण्डी लग जायेगी, बुखार आ जायेगा। तो जब बच्चा बाहर जाता है तो आप उसको पहले से इस तरह का छाता दीजिए। उसको सुझाव दीजिए कि बेटा तुम बाहर जाओगे तो संग दोष में आकर कभी भी गलत रास्ते पर मत जाना। जब तक आपकी ममता के आँचल की छतरी और आर्शीवाद और शिक्षा रहेगी तो बेटा कभी भ्रमित नहीं होगा। क्यों कि आपसे बड़ी शक्ति उसके पास और कुछ नहीं है।

प्रश्न- एक माँ अच्छी संसकारी और अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दे रही है और जब बच्चे थोड़े से बड़े होते है। लेकिन उस माँ के साथ में घर में अत्याचार होता

है और फिर भी वह बच्चों को अच्छे संस्कार देती है। बेटा ऐसा करना है और ऐसा नहीं और वही बच्चे पलट कर अपनी माँ को बोलते हैं कि आपमें इतने अच्छे संस्कार है आप हमेशा अच्छे पथ पर चली हो फिर भी आपको क्या मिला जो आप हमको ऐसा बोल रही हो कि आपको ऐसा करना चाहिए।

उत्तर- लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं है कि माँ भी अपने मूल्यों का पथ छोड़ दे और जो बच्चे कहते हैं उस अनुसार चले। वह अपनी अन्तरात्मा की अवाज सुने जो उसकी आत्मा की आवाज कह रही है। उस पथ पर चलना है तो उसी पर चले और उसी से ही बच्चे सीखते है। क्यों कि अगर माँ ही अगर मूल्यों के पथ से हट गई तो बच्चे क्या सिखेंगे। इसलिए माँ को अपने मूल्यों के बल पर ही आगे बढ़ना है। अच्छाई-अच्छाई होती है। अगर आपका दुश्मन कितना भी बुरा हो तो भी यही सोचता होगा कि हमको दोस्त अच्छा मिले। अच्छाई हमेशा चाहे कैसी भी माँ हो, बेटा हो,बेटी हो सब को प्रिय लगती है। क्योंकि आत्मा का स्वधर्म अच्छाई है। कोई स्वीकार करे या न करे। लेकिन उसकी अन्तरात्मा जरुर स्वीकार करती हैं और जो आदमी सत्य और अच्छाई के मार्ग पर होता है

बार्शी - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम मे महिलाओ को संबोधित करती हुई ब्र.कु. संगीता बहन मंच पर उपस्थित हैं बहन सावित्री हालमे - लक्ष्मीबाई केळकर-पतसंस्था अध्यक्षा, बहन प्रमीला मठपती - आधार प्रतिष्ठान व लिटल स्टार इंग्लिश मिडियम की संस्थापिका, बहन उमा पवार-उपाध्यक्षा-एस.टी महिला वाहक संगठन सोलापूर विभाग, बहन राजश्री तलवाड - एडवोकेट, डॉ. स्नेहल माढेकर, डॉ. लोखंडे, बहन शुभांगी पाटील - संचालिका - सुपर बाजार, बहन प्रभा बेणे - प्रधानाचार्या - सरस्वती विद्यालय, बहन प्राजक्ता देशपांडे - महिला पुलिस एवं अन्य

उसलापुर, बिलासपुर - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में ओम शांति सरोवर उसलापुर, बिलासपुर में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए बिलासपुर विधायक श्री शैलेश पांडेय जी की धर्मपत्नी श्रीमती रितु पांडे जी एवम् सी.आर.पी.एफ की DIGP धर्मपत्नी श्रीमती आशा रानी एवं डीआईजीपी मेडिकल श्रीमती नीतू वात्सल्यन, डॉसरोज, श्रीमती रितु (ऑफिसर), एवं बी के छाया बहन ।

भीलवाड़ा - पथिक नगर सेवाकेंद्र - 7 मार्च को महिला दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यशाला का दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ करते हुए - बाएं से बहन प्रतिभा माली(अध्यक्ष माली समाज महिला मंडल), डॉ. इंदु बाला बाफना (प्राचार्य एम एल वी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय), ब्रह्माकुमारी इंद्रा बहन, डॉ मंजू खन्ना (स्त्री रोग विशेषज्ञ), ब्रह्माकुमारी तरुण बहन, कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं

उसकी सदैव भगवान मदद करता है। मुझे नहीं लगता कि उसको जिन्दगी में कभी कोई तकलीफ होगी। उसका सबसे बड़ा उदाहरण ब्रह्माकुमारी संस्थान है। जब इस संस्थान की स्थापना हुई थी। उस जमाने में महिलाओं के अधिकार की बात हुई जिस जमाने में लोग महिलाओं के अधिकारों की चर्चा नहीं करते थे उस समय प्रर्दा प्रथा, बाल विवाह जैसी कुरीतियां थी। लेकिन जब माताओं बहनों के सर पर ज्ञान का कलष परमात्मा ने रखा और पूरी दुनिया को बता दिया कि वह ये हैं जो पूरी दुनियाँ को बदल सकती हैं। वो कारवाँ आज तक बढ़ा है। तो मूल्य जिन्दगी में हमेशा इन्सान को जिन्दा रखने हैं और अन्दर की बुराई मानव की शत्रु है और अच्छे लोगों के दुनिया में सब मित्र होते है।

प्रश्न- आध्यात्मिकता है क्या ?

उत्तर - आध्यात्मिकता शब्द में ही आध्यात्मिकता का अर्थ है। आध्यात्मिकता अर्थात् आत्मा का अध्ययन, आत्मा को समझना मैं कौन हूँ,मैं कहाँ से आया हूँ, और क्या मेरे जीवन का लक्ष्य है, मुझे जाना कहाँ हैं। और उसके लिए मुझे क्या करना हैं। क्यों कि लक्ष्य के अनुसार ही लक्षण आते हैं। बिना लक्ष्य के लक्षण तो नहीं आयेंगे। इसलिए लक्ष्य हमारा क्या है। उसके आधार पर लक्षणों का भी हम ध्यान पर देते है।तो ये जरुरी नहीं है कि लक्ष्य हमारा कोई इतना ऊँचा हो कि हमें तो चाँद पर जाना हैं। ये जरुरी नहीं हैं। लेकिन लक्ष्य है कि हमें श्रेष्ठ मानव बनना है। यह लक्ष्य जो आध्यात्मिकता में देते हैं, नर को नारायण व नारी को लक्ष्मी बनना है। मानव को देव बनाना है। यह आध्यात्मिकता हमें सीखाती हैं इसलिए खुद को पहचानो, परमात्मा को पहचानो । कर्मो की गति बताती है कि अच्छा क्या है, बुरा क्या हैं। पाप क्या है और पुण्य क्या हैं और फिर साथ-साथ आध्यात्मिकता हमें यह भी स्पष्ट करती है कि अभी हमें क्या करना है। क्योंकि समय की माँग क्या है। जो हम चारो ओर देख रहे हैं। घोर कलियुग का वातावरण हैं। जहां पर ये सारी मॉडर्निटी के नाम पर विकृतियाँ समाज में बढ़ती जा रही हैं। जिसमें काम, क्रोध, लोभ, मोह, अंहकार, ईष्या, द्वेष, नफरत, वैर, दुश्मनी ये देह अभिमान के आधार से सब बढ़ते जा रहे हैं और नाम है आधुनिकता। आधुनिकता का जैसे कि नाम बदनाम कर दिया है। आधुनिकता बुरी चीज नहीं है। जैसे सबने कहा। हम अपने विचारों को थोड़ा विशाल करते हैं। हम विशाल हृदय वाला बने। यह आधुनिकता जरुर है। पर उस आधुनिकता में हम अपने संयम में भी रहें। हम अपने नियमों में भी रहें। हम अन्दर की धारणा को न तोडें। क्योंकि आखिर लक्ष्य तो मानव जीवन का ये ही है कि हमें शान्ति चाहिए और अगर हमें शान्ति चाहिए तो शान्ति पाने का तरीका क्या है। किसी से पुछा गया कि आपको शान्ति चाहिए तो कितने समय के लिए शान्ति चाहिए तो उसने कहाँ कि शान्ति माना शान्ति। तो कहा, नहीं हम आपको एक घण्टे के लिए भी शान्ति दे सकते है। एक दिन के लिए भी शान्ति दे सकते है। फिर दस दिन के लिए भी शान्ति दे सकते है। यदि आप एक दिन के लिए शान्ति चाहते हैं तो खूब शराब पीलो और आपको शान्ति मिल जायेगी। अगर आपको आठ दिन के लिए शान्ति चाहिए तो हिल स्टेशन पर चले जाओ आपको शान्ति मिल जायेगी। लेकिन ये शान्ति के सही तरीके नहीं हैं। तो आध्यात्मिकता हमें सीखाती हैं कि शान्ति तो आत्मा का स्वधर्म है। अपनी आत्मा को पहचानों कि आत्मा का मूल स्वभाव है शान्ति और उस शान्ति के स्वभाव में आप टिक जायेंगे तो आप बाहर नहीं ढूढ़ेंगें। इसको कहते हैं आन्तरिक विकास और जब हम आन्तरिक विकास कर लेते है, अपने मूल्यों को पहचान लेते हैं उसके आधार पर बाहरी विकास भी सहज हम करते हैं। तब उसमें फँसते नहीं हैं। इसी को हम कहते है कि दोनों का ही संमन्वय करना हैं।

प्रश्न - आपकी नजर में आध्यात्मिकता और धर्म में क्या अन्तर है? आज कल पूजा पाठ भी बढ़ा है। दुनिया में भक्ति तेजी से बढ़ी है। फिर भी दुनिया में तेजी से गिरावट हो रही हैं। तो क्या यह अध्यात्मिकता है या नहीं या उसके तौर तरीके गलत है? या उसका सिद्धान्त गलत है या वह अध्यात्मिकता है ही नहीं।

उत्तर - हमने यह भी नोट किया होगा कि जब हम पुजा करते हैं रियली वो जो माइन्ड् होना चाहिए, पूजा में रहना चाहिए उस तरह का नहीं रहता। बहुत लोग पूजा करते है और मन में सोच रहे है कुछ दूसरा, हाथ तो जुड़े, भगवान को मान भी रहे और सोच रहें कुछ दूसरा। दिखावा ज्यादा हो रहा है। मैनें एक चीज देखी जो मेरी कॉलोनी में होता है। मैंने इसको कन्ट्रोल भी किया है। मैं आपको बता दूँ। मेरी कॉलोनी में सुबह-सुबह से लगभग पाँच बजे से लाउड स्पीकर शुरु हो जाता है। क्यों कि एक ही छोटा सा मन्दिर है जिसका लाउड्स्पीकर बहुत तेजी से बजता है और सबको डिस्टर्ब करता है, मैं भी डिस्टर्ब होता हूँ। होना क्या चाहिए, भगवान को दिखावे की जरुरत नहीं है कि आप पूजा कर रहें हैं तो लाउड्स्पीकर ऑन करके तेज बजाईये, इससे तो बाकी लोग ड़िस्टर्ब होते है। सुबह-सुबह बच्चों को भी माना किसी का हॉमवर्क रह गया है या कुछ पढ़ना है। उनको भी डिस्टर्ब होता है। तो यह दिखावा है। आपको वास्तविक रुप से आध्यात्मिकता माना आन्तरिक सकारात्मकता को विकसित करना है।

❑❑❑ **क्रमश:**

फरीदाबाद - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंट करती हुई ब्रह्माकुमारी हेमलता बहन ।

देवबंद - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शिव चौक सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित है श्रीकंवर बृजेश सिंह -एम.एल.ए. - देवबंद, श्रीमती वीणा रानी - उप निरीक्षक एवं बी.के. संगीता-इन्चार्ज देवबंद ।

ग्रेटर नोएडा - एल जी इलेक्ट्रोनिक के तरफ से शारदीय नवरात्र,2020 के उपलक्ष्य में"महिलाओं तथा बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान" विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित है ब्र.कु. उर्मिल एवं अन्य ।

गेवरा – सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सभा को संबोधित करती हुई ब्रह्माकुमारी बहन एवं मंच पर उपस्थित है दीपका नगर पालिका की अध्यक्ष महोदया श्रीमती संतोषी दीवान,आर. एन. पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती रेणु तिवारी, सर्वमंगला स्कूल की शिक्षिका आरती महतो, कांग्रेस कमेटी की सदस्य प्रशांति सिंह एवं अन्य ।

चांदलोडिया – अहमदाबाद : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम काद्वीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए मनोचिकित्सक डॉक्टर आरती पटेल, सामाजिक कार्यकर्ता शारदा बेन प्रजापति एवं ब्र. कु. रंजन

इंदौर(ओम शांति भवन) – सेवाकेंद्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त बहन जनक पलटा, सर्राफा थाना प्रभारी बहन अमृता सोलंकी, बहन ऋतु ग्रोवर समाज सेवी, डॉ. मनीषा गौर, तनाव मुक्ति विशेषज्ञ ब्र.कु. पूनम बहन, इंदौर जोन इंचार्ज ब्र.कु. आरती दीदी, ब्र.कु. वीका बहन– जोनल कोऑर्डिनेटर, महिला प्रभाग, ब्र.कु. प्रीति बहन ।

ग्वालियर: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ माधवगंज स्थित शाखा में महिला सशक्तिकरण द्वारा सामाजिक परिवर्तन विषय पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलन के साथ शुभारम्भ करते हुए डॉ. कुसुम सिंघल (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. रश्मी सुखवानी (दन्त रोग विशेषज्ञ), जान्हवी रोहिरा (राष्ट्रीय ट्रेनिंग समन्वयक, JCI INDIA), डॉ. निर्मला शर्मा (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. साधना शंकर, ब्रह्माकुमारी लश्कर सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी आदर्श दीदी एवं बी. के. प्रह्लाद भाई ।

माहिम - मुंबई- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राम मंदिर-माहिम में आयोजित कार्यक्रम में सभा को सम्बोधित करती हुई ब्र.कु. उज्ज्वला, मंच पर उपस्थित है श्रीमती शीतल गंभीर-कॉर्पोरेटर-माहिम वेस्ट, श्रीमती स्मिता कोचरेकर-राम मंदिर के ट्रस्टी सदस्य-माहिम, श्रीमती ज्योति मूले-माहिम पुलिस स्टेशन,श्री शेखर लाड-हॉल आयोजक, डॉ गुरमीत बाचर-स्टेज कोऑर्डिनेटर, सुश्री जुबेडा खंडवानी ।

जोधपुर - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मूल्यों की संवाहक नारी विषय पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए सारथी ट्रस्ट जोधपुर की डायरेक्टर बहन कृति भारती, किशोर न्याय बोर्ड की जज बहन रूपवती देवरा, बहन साध्वी नित्यमुक्ता , सेंट्रल अकैडमी की प्रिंसिपल बहन अंजू बंगा, बी.के. शील बहन, बी.के. फूल बहन एवं अन्य ।

हैदराबाद - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए ब्रह्माकुमारी बहनें एवं शहर के गणमान्यजन ।

कादी (गुजरात) - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती हुई ब्रह्माकुमारी बहनें, M.L.A कादी, तालुका अध्यक्ष, नगरपालिका अध्यक्ष एवं रोटरी क्लब, लायन्स क्लब, जे सी सी क्लब – कादी, नारी एकता – कादी, दुर्गा वाहिनी – कादी, S.H.G ग्रुप – कादी से जुडी महिलायें ।

जबलपुर - ब्रह्माकुमारीज के कटंगा कॉलोनी सेवा केंद्र के द्वारा महिला दिवस के अवसर संस्था के महिला प्रभाग के द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अभियान – महिला सशक्तिकरण द्वारा सामाजिक परिवर्तन का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारम्भ करते हुए डॉ. प्रज्ञा धीरावाणी स्त्री रोग विशेषज्ञ , डॉ किरण जैन प्राध्यापिका महाकौशल कॉलेज, बहन रंजना गुप्ता - मुस्कान महिला क्लब की अध्यक्षा ,बहन सोनिया दिवाकर,वरिष्ठ समाजसेवी तथा वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बी.के. विमला दीदी ।

जयपुर (वैशाली नगर) – सेवाकेंद्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अलग – अलग स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों की कुछ झलकियाँ ।

करूर-तमिलनाडु - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में करूर नगर पालिका के महिला सफाईकर्मियों के लिए आयोजित कार्यक्रम दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए श्रीमती के.एम.सुधा – आयुक्त(करूर नगर पालिका), डॉ. प्रीता - प्रसिद्ध स्त्रीरोग विशेषज्ञ-प्रजनन विशेषज्ञ-प्रीता नर्सिंग होम-करूर, श्रीमती जी श्री प्रिया - स्वास्थ्य अधिकारी-करूर नगर पालिका, बी.के. अंबिका और बी.के. परमेश्वरी, लायंस क्लब ऑफ करूर सक्ती चार्टर के अध्यक्ष श्रीमती जीया पोन्नुवेल और ऑडिटर बी.के. श्रीनिवासन।

कासगंज–सेवाकेंद्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए बी.के. सरोज दीदी, मुख्य चिकित्साधिकारी प्रतिमा श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार कीर्ति लता चौहान पूर्व नगरपालिका अध्यक्षा डा. शशिलता चौहान ।

सफीदो (हरियाणा)– सेवाकेंद्र द्वारा महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अपना वक्तव्य देती हुई ब्रह्माकुमारी बहन, साथ ही मंच पर उपस्थित है बहन सुषमा डिस्ट्रीब्युटर-लक्ष्मी सपाइन सेंटर, बहन रुचि भारद्वाज –मैंबर-रास कला मंच एवं अन्य ।

हैदराबाद - शांति सरोवर - हैदराबाद-शांति सरोवर - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए ब्र.कु. कुलदीप बहन - निर्देशका - हैदराबाद-शांति सरोवर , ब्र.कु. लक्ष्मी बहन एवं अन्य ।

खरगोन - ब्रह्माकुमारीज़ एवं रोटरी क्लब खरगोन सिटी के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए महिला आयोग की पूर्व सदस्य, एडवोकेट एवं भाजपा की प्रदेश मंत्री बहन ज्योति येवतीकर, इनरव्हील अध्यक्ष बहन कीर्ती जैन, कृषि वैज्ञानिक बहन अनिता शुक्ला, ब्र.कु. किरण दीदी, बहन अर्चना कंड्या, बहन श्यामा गुप्ता ।

मुंदरा-कच्छ (गुजरात)- सेवाकेंद्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रोटरी क्लब - मुंदरा में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. सुशीला बहन – सेवा केंद्र संचालिका - मुंदरा, डॉ. बारिया सिर, डॉ कंचन एवं अन्य ।

सूरतगढ़ - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ करते हुए श्रीमती कमलेश गुप्ता - अग्रवाल महिला समिति की चेयरपर्सन, श्रीमती पूनम (एडवोकेट), श्रीमती नीलम सागवान (प्रिंसिपल), बीके रानी (सेंटर इंचार्ज), श्रीमती पार्वती (कांस्टेबल) और बीके साक्षी ।

नवापारा ,राजिम (,छत्तीसगढ.) - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित भारत को विश्व गुरु बनाने में महिलाओं का योगदान विषय पर सम्मेलन में कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए श्रीमती गुरदीप कौर प्रिंसिपल, श्रीमती ललिता अग्रवाल प्रिंसिपल हायर सेकेंडरी स्कूल, ब्र.कु. पुष्पा सेवा केंद्र संचालिका, डॉ. उमा गुप्ता, ब्र.कु. नारायण भाई, ब्र.कु. बिंदु बहन ,गरियाबंद ।

बहल – हरियाणा के बहल सेवाकेंद्र द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष्य में केक काटते हुए सेवाकेंद्र प्रभारी ब्र.कु. शकुन्तला एवं अन्य

नवसारी - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के बाद ईश्वरीय स्मृति में खड़े बी.के.गीता बहन, श्रीमती ऋषिदा ठाकुर (तपस्या नारी सिलाई संस्थान), श्रीमती जसवंती पटेल (अध्यक्षा-प्रगति महिला मंडल), श्रीमती माधवी बेन करवे (प्रिंसिपल,स्पीकर और राइटर), श्रीमती आशा शाह (सामाजिक कार्यकर्ता) और अन्य सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती मीना पटेल,श्रीमती नर्मदा पटेल, श्रीमती आमी पटेल आदि ।

सादाबाद (उ.प्र.) - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के बाद ईश्वरीय स्मृति में खड़े ब्र.कु. मंजरी बहन – आगरा, बहन श्वेता दिवाकर - पूर्व सांसद धर्मपत्नी-भाजपा जिला-उपाध्यक्ष प्रभारी, ब्र.कु. भावना बहन, बहन श्वेता गोयल–समाजसेवी- हाथरस, भ्राता गिरराज किशोर शर्मा - पूर्व चेयरमैन– मुरसान एवं अन्य, साथ ही रैली निकालते हुये ब्रह्माकुमारी बहनें ।

सूरत - सेवाकेंद्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित महिला सम्मेलनों की कुछ झलकियाँ

हाथरस - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जोईनट्स ग्रुप ऑफ सहेली सहित अनेक सामाजिक संगठनों के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के उपरांत ब्र.कु. शांता एवं शहर की अन्य गणमान्य महिलाएं समूह चित्र में ।

चूरू - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जन जागृति महिला युवा संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. सुमन बहन सभा को सम्बोधित करती हुई ।

नई दिल्ली - ब्रह्माकुमारीज़ के परमपुरी भवन, मानस कुंज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. उर्मिला बहिन-मुख्य वक्ता ज्ञानाअमृत एडिटर –शांतिवन एवं सेंटर इंचार्ज बी. के. सुदेश मुख्य अतिथि क्षेत्र विधायक नरेश वल्यान को ईश्वरीय सौगात देती हुई, महिला पद यात्रा निकालते हुए भाई बहनें ।

नीमच – सेवाकेंद्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित महिला सम्मेलनों की कुछ झलकियाँ ।

पन्ना - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के बाद ईश्वरीय स्मृति में खड़े बीके सीता बहन–पन्ना सेवाकेंन्द्र संचालिका, श्रीमती निशा जैन, प्रिंसिपल, एक्सीलेंस स्कूल–पन्ना, श्रीमती अंजली श्रीवास्तव-खेल शिक्षक,श्रीमती मंजुलता जैन-एडवोकेट एवं और अन्य ।

विक्रोली - मुंबई - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अपना वक्तव्य देती हुई ब्रह्माकुमारी नीलिमा बहन ।

टूण्डला(रामनगर) - ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र रामनगर कॉलोनी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ करते हुए F.H. मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल बहन हेमलता,मात्र मंडल सेवा भारती सदस्य प्रतिभा उपाध्याय, श्री शिवप्रसाद गर्ल्स डिग्री कॉलेज प्रवक्ता शोभा रंजन, बहन बबली गोतम BJP प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, कांग्रेस नेत्री स्नेह लता बबली, बॉबी कंप्यूटर डायरेक्टर बहन संध्या, सेवा केंद्र संचालिका ब्र.कु.विजय बहन ।

ब्रह्माकुमारीज़ के महिला प्रभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन महिला कार्यकम के उद्घाटन सत्र में भाग लेते हुए ब्र.कु. चक्रधारी – अध्यक्षा–महिला प्रभाग, ब्र.कु. जयंती–निर्देशिका-ब्रह्माकुमारीज़–यूरोप, झारखण्ड की राज्यपाल श्रीमती द्रौपदी मुर्मू , पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री जगदीप धनखड, लोकसभा के पूर्व सदस्य श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी, भारत में कोस्टा रिका के दूतावास में काउंसलर और कौंसल श्रीमती मगदा फर्नांडीज वर्गास ।

चंडीगढ़ -अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ करते हुए आदरणीय दादी रतनमोहिनी जी- संयुक्त मुख्य प्रशासिका- ब्रह्माकुमारीज़, ब्र.कु. चक्रधारी दीदी -अध्यक्षा-महिला प्रभाग- ब्रह्माकुमारीज़, ब्र.कु.भ्राता अमीर चंद -निर्देशक-ब्रह्माकुमारीज़ पंजाब जोन, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री न्यायमूर्ति राजन गुप्ता, चंडीगढ़ के महापौर श्रीमती राज बाला , पूर्व महापौर श्रीमती हरजिंदर कौर एवं अन्य । साथ ही सभा में उपस्थित अपना जीवन ईश्वरीय सेवा में समर्पित करने वाली बहनें एवं अन्य ।

पानीपत - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ करते हुए ब्र.कु. जयंती – निर्देशिका-ब्रह्माकुमारीज़– यूरोप, भ्राता महेंद्र सिंघी - चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, डालमिआ भारत सीमेंट, ब्र.कु. चार्ली - राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर-ब्रह्माकुमारीज़ ऑस्ट्रेलिया एवं ब्र.कु. जास्मिन - ओक्सफोर्ड –लंदन, ब्र.कु. भारत भूषण-निर्देशक-ज्ञान मानसरोवर एवम् पानीपत सर्कल, ब्र.कु. सरला-सर्कल इंचार्ज-पानीपत, ब्र.कु. सुनीता-वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका-पानीपत एवं अन्य।

सम्पादिका : ब्र.कु. चक्रधारी, शक्तिनगर, दिल्ली
सह-सम्पादिका : ब्र.कु.डॉ. सविता, शान्तिवन
सम्पादकीय पत्र-व्यवहार : डॉ. सविता शान्तिवन,(आबू रोड)
प्रकाशक व मुद्रक ब्र.कु. आत्मप्रकाश,
ओमशान्ति प्रिंटिंग प्रेस, शान्तिवन (आबू रोड) – 307510

राष्ट्रीय कार्यालय :19/17, शक्तिनगर, दिल्ली-110007

प्रति,